भूमिगत मेट्रो का टाइट हुआ ट्रैक!

मुंबई के सभी मेट्रो में भूमिगत (अंडरग्राउंड) मेट्रो सबसे खास है। इस मेट्रो की टनल खुदाई का काम लगभग पूरा होनेवाला है। जैसे-जैसे इस परियोजना का काम पूरा हो रहा है,

इंफ्रा-चेक

‍○ सुजीत गुप्ता

वैसे-वैसे इस परियोजना से जुड़े स्टेशन, ट्रैक निर्माण, सिग्नलिंग सिस्टम आदि का काम भी तेजी से हो रहा है। जहां तक बात भूमिगत मेट्रो की पटरियों के बिछाने की है तो अब तक ११ किमी का ट्रैक बिछकर तैयार हो गया है।

■ ११ किमी तक पटरी बिछकर तैयार

२० गुना कंपन मुक्त

स्टेशन निर्माण के साथ ही कॉरिडोर पर जापानी स्लीपर की मदद से पटरियां बिछाने का काम भी चल रहा है। २०२१ मार्च से ट्रैक बिछाने के काम की शुरुआत की गई थी। अब तक ११ किमी से अधिक के रूट पर ट्रैक बिछाने का काम पूरा कर लिया गया है। भूमिगत मार्ग पर देश के सबसे हाइटेक ट्रैक का इस्तेमाल किया जा रहा है। जापान से लाया गया ट्रैक देश में इस्तेमाल हुए अन्य ट्रैक से २० गुना कम कंपन के साथ ही आवाज भी कम करता है।

ट्रैक का वजन १०,७४५ मैट्रिक टन

३३.५ किमी मार्ग के लिए अप और डाउन दिशा को मिलाकर कुल ६६.०७ किमी तक ट्रैक बिछाए जाने हैं। पूरे मार्ग पर करीब १०,७४५ मैट्रिक टन वजन के ट्रैक का इस्तेमाल किया जाएगा।

११ स्टेशन लगभग तैयार

जहां तक बात भूमिगत मेट्रो के स्टेशन निर्माण की है तो इसके अंतर्गत आनेवाले ११ स्टेशन ऐसे हैं, जिनका काम लगभग ९० फीसदी पूरा हो चुका है। साथ ही कई स्टेशनों पर उपकरण लगाने का काम भी जारी है।

४ महीने में होंगे स्टेशन तैयार

२०२२ के शुरुआती ४ महीने में कॉरिडोर के ११ स्टेशनों के सीविल वर्क का काम पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुंबई में कोलाबा-बांद्रा-सिप्ज के बीच के लिए मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो का निर्माण कार्य चल रहा है।

स्टेशनों के काम की स्थिति

स्टेशन निर्माण के मामले में कॉरिडोर की शुरुआत और अंत के स्टेशन सबसे आगे हैं। एमएमआरसीएल द्वारा जारी आकड़ों के मुताबिक, एमआईडीसी मेट्रो स्टेशन सबसे अधिक ८८ प्रतिशत तक बनकर तैयार हो चुका है। सिप्ज और विधान भवन स्टेशन ८६-८६ प्रतिशत तक बनकर तैयार हो चुके हैं। मरोल नाका, कफ परेड और सिद्धिविनायक स्टेशन ८४ फीसदी, चर्चगेट ८३ प्रतिशत, और हुतात्मा चौक स्टेशन ८२ प्रतिशत तक बनकर तैयार हो गया है। मुंबई सेंट्रल, महालक्ष्मी, वरली, सहार रोड, डॉमेस्टिक एयरपोर्ट स्टेशन करीब ८० से ८५ फीसदी बनकर तैयार हो चुके हैं। सीएसएमटी, दादर, साइंस म्यूजियम, शीतलादेवी, धारावी, बीकेसी, विद्यानगरी स्टेशन ७० प्रतिशत से ७५ प्रतिशत तक बनकर तैयार हो गए हैं।

■ कुल ६६.०७ किमी ट्रैक बिछाए जाने हैं

■ एमआईडीसी स्टेशन का काम ८८% पूरा

नहीं है सीधी रेल सेवा

वर्तमान समय में कोलाबा से सिप्ज के बीच सीधे रेल सेवा नहीं है। इस रूट पर रोजाना हजारों लोग रोजगार, इलाज और पढ़ाई समेत अन्य कार्यों के लिए सफर के लिए दक्षिण मुंबई आते हैं। कॉरिडोर के शुरू होते ही इस रूट का सफर घंटों के बजाए मिनटों में पूरा कर पाना संभव होगा।